

राधे बृज जनमन सुखकारी

राधे श्याम, राधे श्याम, राधे श्याम, राधे श्याम ॥
राधे, ब्रज जन मन, सुखकारी राधे, श्याम श्यामा श्याम ॥
राधे श्याम, राधे श्याम, राधे श्याम, राधे श्याम ॥
राधे, ब्रज जन मन, सुखकारी राधे...

मोर मुकुट, मकरा कृत कुण्डल, गल वैजयंती माला ॥
चरणन नुपर, रसाल राधे, श्याम श्यामा श्याम ।
राधे श्याम, राधे श्याम, राधे श्याम, राधे श्याम ।
राधे, ब्रज जन मन सुखकारी राधे, श्याम श्यामा श्याम ॥

सुन्दर वदन, कमल-दल लोचन, बांकी चितवन हारी ॥
मोहन वंशी, विहारी राधे, श्याम श्यामा श्याम ।
राधे श्याम, राधे श्याम, राधे श्याम, राधे श्याम ।
राधे, ब्रज जन मन सुखकारी राधे, श्याम श्यामा श्याम ॥

वृन्दावन में, धेनु चरावे, गोपी जन मन हारी ॥
श्री गोवेर्धन, धारी राधे, श्याम श्यामा श्याम ।
राधे श्याम, राधे श्याम, राधे श्याम, राधे श्याम ।
राधे, ब्रज जन मन सुखकारी राधे, श्याम श्यामा श्याम ॥

राधा कृष्ण, मिले अब दोऊ, गौर रूप अवतारी ॥
कीर्तन धर्म, प्रचारी राधे, श्याम श्यामा श्याम ।
राधे श्याम, राधे श्याम, राधे श्याम, राधे श्याम ।
राधे, ब्रज जन मन सुखकारी राधे, श्याम श्यामा श्याम ॥

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36287/title/radhe-brij-janman-sukh-kari>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |